Nai Dunia (Indore), 30th November 2022, Page – 02

कौशल विकास और अनुसंधान की गहन समझ में मिलेगी मदद

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर द्वारा सतत भविष्य के लिए ऊर्जा सामग्री में हाल में हुए विकास विषय पर दो सप्ताह का एआइसीटीई अटल फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। 21 नवंबर से शुरू हुए कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य ऊर्जा परिदृश्य के हाल के विकास, सामग्री डिजाइन, संश्लेषण और लक्षण वर्णन, प्रौद्योगिकी विकास और भविष्य की संभावना के बारे में ज्ञान, कौशल का उन्नयन करना है। इससे कौशल विकसित करने और अनुसंधान की गहन समझ प्रदान करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम 2 दिसंबर तक होगा। कार्यक्रम के लिए 50 प्रतिभागियों का चयन किया गया है। इसके तहत संस्थान में विभिन्न जगहों से आए प्रोफेसर आइआइटी की लैब में विभिन्न शोध भी करेंगे। कार्यक्रम का उद्घाटन आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने किया। समन्वयक प्रो. परशराम एम. शिरागे और सह समन्वयक डा. रूपेश एस. देवन हैं। कार्यक्रम में विशेषज्ञ के रूप में पड्र्यू यूनिवर्सिटी यूएसए के प्रो विलास पोल, फ्रांस से डा. मनोजित पुस्टी, दक्षित कोरिया के शोध प्रोफेसर डा. सावंत माली, आइआइटी इंदौर के फैकल्टी सदस्य डा. सुनील कुमार, डा. किरण बाला, प्रो. परशराम एम. शिरागे, प्रो. प्रशांत कोडगिरे और प्रो. जीएस मूर्ति शामिल हैं।